चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	05-09-23	10	2-5

चिड़ोद व पायलां के खेतों का नोडल अधिकारी ने किया दौरा

नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का किया आह्वान

नोडल अधिकारी ने हकृवि द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया।

हिसार। फसलों का जायजा लेते नोडल अधिकारी पीपी रोहिला। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय में चल रहे फार्मर्स फर्स्ट प्रोग्राम के तहत कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोधपुर से नोडल अधिकारी डॉ. पीपी रोहिला ने गांव चिड़ोद व पायलां का दौरा किया। नोडल अधिकारी ने हकृवि द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होंने मूंग फसल की एमएच 421 किस्म का खेत में प्रदर्शन देखा। साथ ही उन्होंने देशी कपास व अमरूद की फसलों में टपका सिंचाई प्रणाली का भी अवलोकन किया। नोडल अधिकारी डॉ. पीपी रोहिला ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कृषि से संबंधित तमाम नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण आज खेती योग्य भूमि कम हो गई है। केवल खेती पर निर्भर रहने से किसान व उसके परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया है।

इस स्थिति के चलते किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाना बहुत जरूरी है ताकि उन्हें नियमित आय प्राप्त होती रहे और उन्हें खेती के किसी एक घटक पर निर्भर न रहना पड़े।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की कृषि से संबंधित हर समस्या को पहले अच्छे से समझना चाहिए और यथासंभव उसका हल निकालना चाहिए।

नोडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल से संबंधित प्रोग्राम के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने प्रोग्राम में शामिल हुए नए वैज्ञानिकों डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. सतपाल, डॉ. देवेंद्र व डॉ. प्रिंस के साथ मिलकर आगामी रणनीति तय की। इस दौरान फार्मर्स फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक कुमार गोदारा के साथ प्रोग्राम में काम कर रहे वैज्ञानिक डॉ. करमल सिंह, डॉ. दलीप बिश्नोई, डॉ. कृष्णा रोलनिया व फिल्ड टीम के सदस्य भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	05-09-23	04	3-5

नोडल अधिकारी ने किया चिड़ोद व पायलां के खेतों का दौरा

हिसार, 4 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय में चल रहे फार्मर्स फर्स्ट प्रोग्राम के तहत कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोधपुर से नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिल्ला ने गांव चिड़ोद व पायलां का दौरा किया। उन्होंने वहां हकृवि द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मूंग फसल की एम.एच 421 किस्म का खेत में प्रदर्शन देखा। साथ ही उन्होंने देशी कपास व अमरूद की फसलों में टपका सिंचाई प्रणाली का भी अवलोकन किया।

हकृवि द्वारा गांव चिड़ोद व पायलां में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिल्ला।

इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिल्ला ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कृषि से संबंधित तमाम नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण आज खेती योग्य भूमि कम हो गई है। केवल खेती पर निर्भर रहने से किसान व उसके परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया है। इस स्थिति के चलते किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाना बहुत जरूरी है, ताकि उन्हें नियमित आय प्राप्त होती रहे और उन्हें खेती के किसी एक घटक पर निर्भर न रहना पड़े।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की कृषि से संबंधित हर समस्या को पहले अच्छे से समझना चाहिए और यथासंभव उसका हल निकालना चाहिए। इसके बाद नोडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल से संबंधित प्रोग्राम के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने प्रोग्राम में शामिल नए वैज्ञानिकों डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. सतपाल, डॉ. देवेंद्र व डॉ. प्रिंस के साथ मिलकर आगामी रणनीति तय की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	05-09-23	05	4-6

हकृवि द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गांव चिड़ोद व पायलां के खेतों का नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने किया दौरा

फार्मस फर्स्ट प्रोग्राम के तहत नोडल अधिकारी ने प्रदर्शन प्लांट की सराहना की

हकृवि द्वारा गांव चिड़ोद व पायलां में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला व मौजूद अन्य अधिकारीगण व किसान।

हिसार, 4 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय में चल रहे फार्मस फर्स्ट प्रोग्राम के तहत कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोधपुर से नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने गांव चिड़ोद व पायलां का दौरा किया। उन्होंने वहां हकृवि द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मूंग फसल की एम.एच 421 किस्म का खेत में प्रदर्शन देखा। साथ ही उन्होंने देशी कपास व अमरूद की फसलों में टपका सिंचाई प्रणाली का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कृषि से संबंधित तमाम नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण आज खेती योग्य भूमि कम हो गई है। केवल खेती पर निर्भर रहने से किसान व उसके परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया है। इस स्थिति के चलते किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाना बहुत जरूरी है ताकि उन्हें नियमित आय प्राप्त होती रहे और उन्हें खेती के किसी एक घटक पर निर्भर न रहना पड़े। इसके बाद नोडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल से संबंधित प्रोग्राम के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने प्रोग्राम में शामिल हुए नए वैज्ञानिकों डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. सतपाल, डॉ. देवेंद्र व डॉ. प्रिंस के साथ मिलकर आगामी रणनीति तय की। इस दौरान फार्मस फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक कुमार गोदारा के साथ प्रोग्राम में काम कर रहे वैज्ञानिक डॉ. करमल सिंह, डॉ. दलीप बिश्नोई, डॉ. कृष्णा रोलनिया व फिल्ड टीम के सदस्य भी मौजूद रहे। इसके अलावा गांव चिड़ोद व पायलां के किसान भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	05-09-23	02	01-2

चिड़ोद व पायलां के खेतों का नोडल अधिकारी ने किया दौरा

जासं, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय में चल रहे फार्मस फस्ट प्रोग्राम के तहत कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) जोधपुर से नोडल अधिकारी डा. पीपी रोहिल्ला ने गांव चिड़ौद व पायलां का दौरा किया। उन्होंने वहां हकृवि द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया। उन्होंने मूंग फसल की एमएच 421 किस्म को देखा। उन्होंने देसी कपास व अमरूद की फसलों में टपका सिंचाई प्रणाली का भी अवलोकन किया। डा. रोहिल्ला ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कृषि से संबंधित तमाम नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण आज खेती योग्य भूमि कम हो गई है। केवल खेती पर निर्भर रहने से किसान व उसके परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया है। इस स्थिति के चलते किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाना बहुत जरूरी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	04.09.2023	--	--

गांव चिड़ोद व पायलां के खेतों का नोडल अधिकारी ने किया दौरा, विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का किया अवलोकन

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय में चल रहे फार्मर्स फर्स्ट प्रोग्राम के तहत कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोधपुर से नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने गांव चिड़ोद व पायलां का दौरा किया। उन्होंने वहां इकाई द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मूंग फसल की एम.एच 421 किस्म का खेत में प्रदर्शन देखा। साथ ही उन्होंने देसी कपास व अमरूद की फसलों में टपका सिंचाई प्रणाली का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कृषि से संबंधित तमाम नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण आज खेती योग्य भूमि कम हो गई है। केवल खेती पर निर्भर रहने से किसान व उसके परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया है। इस स्थिति के चलते किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाना बहुत जरूरी है ताकि उन्हें नियमित आय प्राप्त होती रहे और उन्हें खेती के किसी एक घटक पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की कृषि से संबंधित हर समस्या को पहले अच्छे से समझना चाहिए और यथासंभव उसका हल निकालना चाहिए। इसके बाद नोडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल से संबंधित प्रोग्राम के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने प्रोग्राम में शामिल हुए नए वैज्ञानिकों डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. सतपाल, डॉ. देवेंद्र व डॉ. प्रिंस के साथ मिलकर आगामी रणनीति तय की।

इस दौरान फार्मर्स फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक कुमार गोदारा के साथ प्रोग्राम में काम कर रहे वैज्ञानिक डॉ. करमल सिंह, डॉ. दलीप बिश्नोई, डॉ. कृष्णा रोलनिया व फिल्ड टीम के सदस्य भी मौजूद रहे। इसके अलावा गांव चिड़ोद व पायलां के किसान भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	04.09.2023	--	--

हकृवि द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गांव चिड़ोद व पायलां के खेतों का नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने किया दौरा

हिसार, 4 सितंबर (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय में चल रहे फार्मस फर्स्ट प्रोग्राम के तहत कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोधपुर से नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने गांव चिड़ोद व पायलां का दौरा किया। उन्होंने वहां हकृवि द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मूंग फसल की एम.एच 421 किस्म का खेत में प्रदर्शन देखा। साथ ही उन्होंने देशी कपास व अमरूद की फसलों में टपका सिंचाई प्रणाली का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कृषि से संबंधित तमाम नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल खेती पर निर्भर रहने से किसान व उसके परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया है। इस स्थिति के चलते किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाना बहुत जरूरी है ताकि उन्हें नियमित आय प्राप्त होती रहे और उन्हें खेती के किसी एक घटक पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की कृषि से संबंधित हर समस्या को पहले अच्छे से समझना चाहिए और यथासंभव उसका हल निकालना चाहिए। इसके बाद नोडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल से संबंधित प्रोग्राम के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने प्रोग्राम में शामिल हुए नए वैज्ञानिकों डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. सतपाल, डॉ. देवेंद्र व डॉ. प्रिंस के साथ मिलकर आगामी रणनीति तय की। इस दौरान फार्मस फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक कुमार गोदारा के साथ प्रोग्राम में काम कर रहे वैज्ञानिक डॉ. करमल सिंह, डॉ. दलीप बिश्नोई, डॉ. कृष्णा रोलनिया व फिल्ड टीम के सदस्य भी मौजूद रहे। इसके अलावा गांव चिड़ोद व पायलां के किसान भी उपस्थित रहे।